JAIPUR METRO

जयपुर मेट्रो रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड

खनिज भवन, तिलग मार्ग, सी–स्कीम, जयपुर – 302015

दूरभाष 0141–5192407

दिनांक 22.01.2016

प्रेस विज्ञप्ति

एकीकृत यातायात हेतु प्रस्तुतीकरण

जयपुर मेट्रो के अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक, श्री निहाल चन्द गोयल की अध्यक्षता में एक बैठक आयोजन किया गया। इस बैठक में मैसर्स ACTIS इन्फ्रा प्राइवेट लिमिटेड द्वारा मेट्रो स्टेशन एवं जयपुर रेलवे स्टेशन के मध्य पर्सनल रेपिड ट्रांजिट सिस्टम (PRT) के बारे में प्रस्तुतीकरण दिया गया।

प्रस्तुतीकरण के दौरान ACTIS इन्फ्रा के प्रतिनिधि ने बताया कि पूरी तरह से बोट (DBOT) स्कीम के अर्न्तगत बनाया जायेगा ताकि इस कोरिडोर से किसी भी संस्था को वित्तीय भार नहीं वहन करना होगा केवल इस अत्याधुनिक सिस्टम के लिये स्थान उपलब्ध कराना होगा एवं यथा सम्भव स्वीकृतियाँ प्रदान करनी होगी।

उन्होंने बताया कि भारत वर्ष में पहली बार उपयोग में लाई जा रही यह नई तकनीकी पूर्णतः सोलर सिस्टम पर आधारित हैं। इस प्रणाली में 4–4 सवारियों के लिये कारें (Pods) प्रातः 6.00 बजे से रात्री 10. 00 बजे तक अपनी सेवाऐ देने पर इस प्रणाली द्वारा 1000 यात्रियों को प्रति घण्टा प्रति दिशा अपने गंतव्यों तक पहुँचाया जा सकेगा। इस प्रणाली हेतु प्रारम्भिक किराया 2 रूपये से 5 रूपये तक रखा जा सकेगा।इस प्रणाली की सुरक्षा (सेफ्टी) का जिम्मा अमेरिकन सोसाइटी फॉर टेस्टिंग एवं मेटेरियल द्वारा किया जायेगा। जिसमें यात्रियों के बीमा का भी प्रबंध रहेगा। इस प्रणाली को स्थापित करने में कार्य प्रारम्भ होने से 5 से 6 माह तक का समय लगेगा।

जयपुर कलेक्टर कृष्ण कुणाल ने बैठक के दौरान इस सिस्टम को रेलवे स्टेशन के आगे मण्डल रेल प्रबन्धक कार्यालय एवं राम मंदिर से होते हुए कलेक्ट्री सर्कल तक विस्तारित किया जा सकता है जिससे कि जयपुर के पश्चिमी भाग से विभिन्न गंतव्यो पर जाने हेतु यात्रियों को अधिक सुविधा प्राप्त हो पायेगी। उन्होंने कहा कि इस प्रणाली को दो चरणों मे लागू किया जा सकता हैं, प्रथम तो मेट्रो स्टेशन से रेलवे स्टेशन एवं फिर रेलवे स्टेशन से कलेक्ट्री सर्कल वाया राम मंदिर, चिंकारा केंटीन होते हुए बनाया जा सकता ।

बैठक में जयपुर मेट्रो के निदेशक परियोजना अश्विनी सक्सैना, निदेशक कॉरपोरेट अफेयर राजेश अग्रवाल, निदेशक परिचालन चैन सुख जीनगर , निदेशक वित्त सर्वेश तिवाड़ी उपस्थित थे।

जनसम्पर्क अधिकारी